मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया के सीडीओई ने प्रो. डायना फॉक्स, ब्रिजवाटर स्टेट यूनिवर्सिटी, मैसाचुसेट्स, यूएसए का व्याख्यान आयोजित किया, जिसका विषय था 'नेविगेटिंग क्लाइमेट इमरजेंसी थ्रू साइंस फिक्शन'

नई दिल्ली, 11 मार्च, 2026

सेंटर फॉर डिस्टेंस एंड ऑनलाइन एजुकेशन (सीडीओई) ने 9 मार्च, 2026 को अपने आमंत्रित व्याख्यान की श्रंखला में 2026 का पहला विशेष व्याख्यान आयोजित किया। इस व्याख्यान का विषय था "'नेविगेटिंग क्लाइमेट इमरजेंसी थ्रू साइंस फिक्शन'। यह व्याख्यान प्रो. डायना फॉक्स, चेयर, डिपार्टमेंट ऑफ़ एंथ्रोपोलॉजी, ब्रिजवाटर स्टेट यूनिवर्सिटी, मैसाचुसेट्स, USA द्वारा दिया गया।

क्लाइमेट चेंज की अर्जेंसी और इसके संभावित तरीकों पर ध्यान देने की ज़रूरत को देखते हुए, सीडीओई, जेएमआई ने प्रो. डायना फॉक्स को 'नेविगेटिंग क्लाइमेट इमरजेंसी थ्रू साइंस फिक्शन' थीम पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया था। डॉ. डायना फॉक्स एक कल्चरल और एप्लाइड एंथ्रोपोलॉजिस्ट, स्कॉलर-एक्टिविस्ट और डॉक्यूमेंट्री फिल्म प्रोड्यूसर हैं। उनका काम एंग्लोफोन कैरिबियन, खासकर जमैका और त्रिनिदाद और टोबैगो पर फोकस करता है, जहाँ वह जेंडर और सेक्सुअल डाइवर्सिटी, इकोलॉजिकल सस्टेनेबिलिटी के लिए महिलाओं के सोशल मूवमेंट एक्टिविज्म, महिलाओं के ह्यूमन राइट्स और ट्रांसनेशनल फेमिनिज्म और एक्टिविज्म के मुद्दों पर रिसर्च करती हैं।

प्रो. फॉक्स ने डायना मैककॉले की फिक्शन 'डेलाइट कम' में एंथ्रोपोसेनिक डिस्टोपिया और फेमिनिस्ट कैरिबियन फ्यूचरिज्म के आइडिया पर विस्तार से चर्चा की ताकि यह सोचा जा सके कि लिटरेचर, और बेशक, म्यूजिक, पेंटिंग जैसे दूसरे आर्ट फॉर्म क्लाइमेट इमरजेंसी के मुद्दे को सुलझाने में कैसे असरदार हो सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि लिटरेचर और आर्ट्स की बातों का भी क्लाइमेट इमरजेंसी के मुद्दों को सुलझाने वाली सरकारी पॉलिसी पर पॉजिटिव असर पड़ना चाहिए। प्रो. फॉक्स ने अपना व्याख्यान इस बात पर जोर देते हुए खत्म किया कि राइटर, आर्टिस्ट, साइंटिस्ट और पॉलिसी मेकर्स को मिलकर क्लाइमेट चेंज की अर्जेंसी से निपटने के लिए कोशिश करनी चाहिए।

खचाखच भरे कॉन्फ्रेंस हॉल में दिए गए व्याख्यान के बाद, इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्रऔर साहित्य समेत अलग-अलग विषय के एकेडेमिक्स के बीच सवाल-जवाब का एक दिलचस्प दौर चला। सीडीओई के डीन, प्रो. मोशाहिद आलम रिज़वी, जो खुद एक बायो-साइंटिस्ट, एनवायर्नमेंटल बायोलॉजी और जेनेटिक्स के एक्सपर्ट हैं, उन्होंने प्रो. डायना के आइडियाज़ की तारीफ़ की और कहा कि क्लाइमेट चेंज की दिक्कतों से लड़ने के लिए ऐसे आइडियाज़ को हकीकत में बदलना चाहिए। प्रो. रिज़वी ने व्याख्यान श्रंखला समन्वयक डॉ. मोहम्मद फरहान की भी तारीफ़ की, जिन्होंने सीडीओई, जेएमआई में वार्ता आयोजित करने के लिए प्रो. डायना फॉक्स को आमंत्रित किया।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी